अष्टांगहृदयम्

वागभट्ट गीता

💯TERMS & CONDITION OF BUSINESS 💯

PRICES

1.This price list cancels all previous price lists.
2.Hospitals, doctor, pharmacist & NGO are eligible for 30-50 percent discount on purchase of one time order up to Rs.5000.
3.AVG reserves the right to change the prices without prior notice.

PAYMENTS

1.All the transactions are carried out by Cash/Cheque/ Online transfers with order only.
2. Google pay, phone pay number is ,9991320020 (Name-Vaid gurudarshan)

SUPPLY OF DELIVERY OF GOODS

1.Goods once sold will not be taken back or exchange.
2.packing and shipping charges up to 5kg is Rs.250.
3.Goods are home deliverery 6-7 days.

NOTE

1.Every dispute will be subjected to Sagar jurisdiction only.
2.It is advisable to taken medicines under ayurvedic doctors or vaid.

📲 9991320020, 6262 290999▶️Vaid gurudarshan

मुस्ता पाचक

जठराग्नि एवं पोषक रस को अच्छा करें।

अष्टांगहृदयम्
वागभट्ट गीता

उपयुक्तता

- ✅ कटु,तिक्त,कषाय रस प्रधान
- ✅ तेज,वायु,आकाश महाभूत प्रधान
- ✅ पाचक एवं आमविष नाशक
- ✅ यह क्षारधर्मी औषधि हैं।
- ✅ संतर्पणजन्य व्याधी में उपयोगी
- ✅ भोजन का संपूर्ण पाचन करता है
- ✅ मल को बांध कर निकालता है।
- ✅ संग्रहणी को ठीक करता हैं।
- ✅ लूज मोशन में विशेष उपयोगी
- ✅ टॉक्सिन को शरीर से बाहर करें।
- ✅ वजन को प्राकृतिस्थित करें।
- ✅ जठराग्नि की तेज करता हैं।
- ✅ सभी धातुओं की अग्नि तेज करें
- ✅ गठिया को ठीक करता हैं।
- ✅ कफ के स्निग्ध व गुरु गुण को कम करें

Ashtanghridyam

घटक द्रव्य :- मुस्ता,सुंठ,बालबिल्व, शोधित अतिविषा,कुटज इत्यादि।

उपलब्धता : 30 पुड़िया

मात्रा एवम अनुपान

MRP : 280/-

एक पुड़िया सुबह शाम व्यानकाल में गर्म पानी या शहद से

📲 99913 20020 ▶️ Vaid gurudarshan ▶️ Ashtanghridyam

रस पाचक

रस धातु और उपधातु की सर्वश्रेष्ठ औषधि

अष्टांगहृदयम्
वागभट्ट गीता

उपयुक्तता

- ✅ यकृत व आन्त्र कार्य सुधारे।
- ✅ रज एवं आर्तव ठीक करे।
- ✅ रसधातु को उच्च गुणवत्ता करें।
- ✅ आकाश, वायु महाभूत प्रधान
- ✅ यह क्षारधर्मी औषधि हैं।
- ✅ संतर्पणजन्य व्याधी में उपयोगी
- ✅ तिक्त, कटु रस प्रधान औषधि
- ✅ दीपन और आम पाचक
- ✅ रसधातु को शुद्ध करता हैं।
- ✅ रसधातु का सार किट्ट विभाजन
- ✅ विषम ज्वर में विशेष उपयोगी

घटक द्रव्य :- इन्द्रजौ, तिक्त पटोलपत्र, कुटकी इत्यादि

मात्रा एवम अनुपान

एक पुड़िया सुबह शाम खाली पेट गर्म पानी या शहद से से

उपलब्धता : 30 पुड़िया

MRP : 250/-

📲 9991320020,7091426093 ▶️Vaid gurudarshan

रक्त पाचक

रक्त धातु और उपधातु की सर्वश्रेष्ठ औषधि

अष्टांगहृदयम्
वागभट्ट गीता

उपयुक्तता

- ✅ यकृत व आन्त्र कार्य सुधारे।
- ✅ रज एवं आर्तव ठीक करे।
- ✅ रक्तधातु को उच्च गुणवत्ता करें।
- ✅ आकाश, वायु महाभूत प्रधान
- ✅ यह क्षारधर्मी औषधि हैं।
- ✅ संतर्पणजन्य व्याधी में उपयोगी
- ✅ तिक्त, कटु रस प्रधान औषधि
- ✅ दीपन और आम पाचक
- ✅ रक्तधातु को शुद्ध करता हैं।
- ✅ रक्तधातु का सार किट्ट विभाजन
- ✅ विषम ज्वर में विशेष उपयोगी
- ✅ सफेददाग और चर्मरोग में उपयोगी
- ✅ ब्लड शुगर व कोलेस्ट्रॉल में लाभ

घटक द्रव्य :- तिक्त पटोल, सरिवा, मुस्ता, पाठा, कुटकी,शुध्द गुग्गुळ

मात्रा एवम अनुपान

एक पुड़िया सुबह शाम खाली पेट गर्म पानी या शहद से से

उपलब्धता : 30 पुड़िया

MRP : 330/-

📲 9991320020,7091426093 ▶️Vaid gurudarshan

मांस पाचक

मांस धातु और उपधातु की सर्वश्रेष्ठ औषधि

अष्टांगहृदयम्
वागभट्ट गीता

उपयुक्तता

- ✅ मांसगत विषमज्वर में उपयोगी।
- ✅ मांसधातु,उपधातु व मल ठीक करे।
- ✅ मांस अग्नि को तेज करता है।
- ✅ आकाश, वायु महाभूत प्रधान
- ✅ यह क्षारधर्मी औषधि हैं।
- ✅ संतर्पणजन्य व्याधी में उपयोगी
- ✅ तिक्त, कटु रस प्रधान औषधि
- ✅ दीपन और आम पाचक
- ✅ मांस धातु को शुद्ध करता हैं।
- ✅ गलगंड व गंडमाला में उपयोगी
- ✅ गांठ व ट्यूमर में विशेष उपयोगी
- ✅ वादी बवासीर को ठीक करें।
- ✅ मोटापा को कम करता हैं।
- ✅ कर्ण स्राव को रोके।

घटक द्रव्य :- तिक्त पटोल,नीम, मुस्ता, त्रिफला, मुनक्का, कुटज छाल,शुध्द गुग्गुळ

मात्रा एवम अनुपान

एक पुड़िया सुबह शाम खाली पेट गर्म पानी या शहद से से

उपलब्धता : 30 पुड़िया

MRP : 330/-

📲 9991320020,7091426093 ▶️Vaid gurudarshan

मेद पाचक

मेदधातु और उपधातु की सर्वश्रेष्ठ औषधि

अष्टांगहृदयम्
वागभट्ट गीता

उपयुक्तता

- ✅ मेद धातुगत विषमज्वर में उपयोगी।
- ✅ मेद धातु एवं उपधातु को ठीक करे।
- ✅ मेद अग्नि को तेज करता है।
- ✅ तेज, वायु,आकाश महाभूत प्रधान
- ✅ यह क्षारधर्मी औषधि हैं।
- ✅ संतर्पणजन्य व्याधी में उपयोगी
- ✅ तिक्त, कटु, कषाय रस प्रधान
- ✅ दीपन और आम पाचक
- ✅ मेद धातु को शुद्ध करता हैं।
- ✅ कृमिज हृदयरोग को ठीक करे।
- ✅ ट्यूमर(अर्बुद)में विशेष उपयोगी
- ✅ डायबिटीज इन्सिपिडस ठीक करे।
- ✅ मोटापा को कम करता हैं।

घटक द्रव्य :- सुंठ, गिलोय, चिरायता, श्वेतचंदन, शुध्द गुग्गुळ इत्यादि।

मात्रा एवम अनुपान

एक पुड़िया सुबह शाम व्यानकाल में गर्म पानी या शहद से से

उपलब्धता : 30 पुड़िया

MRP : 330/-

📲 9991320020,7091426093 ▶️Vaid gurudarshan

अस्थिमज्जा पाचक

अस्थिधातु एवं उपधातु की सर्वश्रेष्ठ औषधि

अष्टांगहृदयम्
वागभट्ट गीता

उपयुक्तता

- ✅ अस्थि धातुगत विषमज्वर में उपयोगी
- ✅ अस्थि धातु एवं उपधातु को ठीक करे
- ✅ अस्थि अग्नि को तेज करता है।
- ✅ तेज, वायु,आकाश महाभूत प्रधान
- ✅ यह क्षारधर्मी औषधि हैं।
- ✅ संतर्पणजन्य व्याधी में उपयोगी
- ✅ तिक्त, कटु, कषाय रस प्रधान
- ✅ हड्डियों के रोग को ठीक करता है।
- ✅ अस्थि धातु को शुद्ध करता हैं।
- ✅ खालित्य- इंद्रलुप्त में उपयोगी
- ✅ दंतरोगों में लाभदायक
- ✅ केश विकार में उपयोगी
- ✅ नाखून को सुंदर व दृढ़ बनाएं।

घटक द्रव्य :- आमला, मुस्ता, गिलोय,शुध्द गुग्गुळ इत्यादि।

मात्रा एवम अनुपान

एक पुड़िया सुबह शाम व्यानकाल में गर्म पानी या शहद से

उपलब्धता : 30 पुड़िया

MRP : 250/-

📲 9991320020,7091426093 ▶️Vaid gurudarshan

सर्व पाचक

सप्तधातु,उपधातु एवं इसके मलों की सर्वश्रेष्ठ औषधि

अष्टांगहृदयम्
वागभट्ट गीता

उपयुक्तता

- ✅ सप्त धातुगत विषमज्वर में उपयोगी
- ✅ सप्तधातु एवं उपधातु को ठीक करे
- ✅ धातु अग्नि को तेज करता है।
- ✅ तेज, वायु,आकाश महाभूत प्रधान
- ✅ यह क्षारधर्मी औषधि हैं।
- ✅ संतर्पणजन्य व्याधी में उपयोगी
- ✅ तिक्त, कटु, कषाय रस प्रधान
- ✅ मांसधातु के विकृति को ठीक करता है।
- ✅ सभी धातु को शुद्ध करता हैं।
- ✅ धातु वृद्धि को रोकता हैं।
- ✅ वजन घटाने में विशेष उपयोगी।
- ✅ इसके सेवन से रक्त शुद्ध होता हैं।
- ✅ सिस्ट एवं ट्यूमर को खत्म करता हैं।

घटक द्रव्य :- पटोल, सरिवा,पाठा,कुटकी,चंदन,सौंठ,इन्द्रजौ,त्रिफला,चिरायता,मुस्ता, गिलोय,शुध्द गुग्गुळ

मात्रा एवम अनुपान

एक पुड़िया सुबह शाम व्यानकाल में गर्म पानी या शहद से

उपलब्धता : 30 पुड़िया

MRP : 300/-

📲 9991320020,6262 290999 ▶️Vaid gurudarshan

शतजीत राज

सौ रोगों की एक विशेष परिक्षित औषधि

अष्टांगहृदयम्
वागभट्ट गीता

उपयुक्तता

- ✅ यकृत उत्तेजक व पित विरेचक
- ✅ सप्तधातु बल्य में उपयोगी
- ✅ विशेष सार किट्ट विभाजन
- ✅ अग्नि,वायु,आकाश महाभूत प्रधान
- ✅ यह क्षारधर्मी औषधि हैं।
- ✅ संतर्पणजन्य व्याधी में उपयोगी
- ✅ तिक्त रस प्रधान औषधि
- ✅ दीपन और आम पाचक
- ✅ रक्त धातु को शुद्ध करता हैं।
- ✅ सप्त धातु का सार किट्ट विभाजन
- ✅ दोष,धातु,उपधातु,मल को ठीक करें।

घटक द्रव्य :- चित्रक मूल, कुटकी, नीम, महारस, गुग्गुल इत्यादि

मात्रा एवम अनुपान

एक पुड़िया सुबह शाम खाली पेट गर्म पानी या शहद से से

उपलब्धता : 30 पुड़िया

MRP : 250/-

📲 9991320020,7091426093 ▶️Vaid gurudarshan

जीवन राज

रस एवं रक्त धातु,उपधातु वर्धक सर्वोत्तम औषधि

अष्टांगहृदयम्
वागभट्ट गीता

उपयुक्तता

- ✅मधुर और कषाय रस प्रधान।
- ✅पृथ्वी और आप महाभूत प्रधान।
- ✅यह अम्लधर्मी औषधि हैं।
- ✅रस व रक्त धातु बढ़ता है।
- ✅अपतर्पणजन्य व्याधी में उपयोगी
- ✅कष्टार्तव को ठीक करता है।
- ✅ब्रेस्ट मिल्क को बढ़ता है।
- ✅रक्त से उत्पन्न सभी अंग जैसे ❤️ हार्ट
- ✅लिवर,किडनी,स्प्लीन को ठीक करता हैं।
- ✅लंग्स, टंग, टेस्टिकल को बल देता हैं।
- ✅लो बी.पी. को ठीक करता है।
- ✅वजन को बढ़ाता है।
- ✅हड्डी एवं मांस के जोड़ को ठीक करता है।
- ✅अनिद्रा व घबराहट को ठीक करता हैं।
- ✅एनीमिया एवं पीलिया में उपयोगी।
- ✅मूत्राशय की रोग को ठीक करता है।
- ✅मासिकधर्म में विशेष उपयोगी।

Ashtanghridyam

घटक द्रव्य :- शुद्ध प्रवाल पिष्टी, मंडूर भस्म इत्यादि।

उपलब्धता : 30 पुड़िया

मात्रा एवम अनुपान

MRP : 330/-

एक पुड़िया सुबह शाम व्यानकाल में आधा कप गुनगुने दूध/जल से

📲 9991320020, 🤳6262 290999 ▶️Vaid gurudarshan

शतताल राज

मांस धातु बल्य व उत्तम अर्श रोगहारी योग

अष्टांगहृदयम्
वागभट्ट गीता

उपयुक्तता

- ✅ रस, रक्त मांस धातु वर्धक गुण
- ✅ मांस क्षय में विशेष उपयोगी
- ✅ बल्य व रसायन कल्प
- ✅ पृथ्वी, आप महाभूत प्रधान
- ✅ यह अम्लधर्मी औषधि हैं।
- ✅ अपतर्पणजन्य व्याधी में उपयोगी
- ✅ मधुर, तिक्त रस प्रधान औषधि
- ✅ वृष्य,बृंहण व वाजीकरण
- ✅ जठराग्नि व शुक्र वर्धक
- ✅ पुष्टिदायक व बल कारक
- ✅ स्तन्य जनन व वय: स्थापन
- ✅ कफ के गुरु व स्निग्ध गुणवर्धक
- ✅ दौर्बल्य व मंदबुद्धि में लाभकारी

घटक द्रव्य :- काली मूसली, शतावरी आदि

मात्रा एवम अनुपान

एक पुड़िया सुबह शाम खाली पेट गर्म दूध व घी के साथ

उपलब्धता : 30 पुड़िया

MRP : 250/-

📲 9991320020,7091426093 ▶️Vaid gurudarshan

स्वराज

वृक्क(किडनी) और मूत्रपिंड की सर्वोत्तम औषधि

अष्टांगहृदयम्
वागभट्ट गीता

उपयुक्तता

- ✅ मधुर और कषाय रस प्रधान।
- ✅ पृथ्वी और आप महाभूत प्रधान।
- ✅ यह अम्लधर्मी औषधि हैं।
- ✅ शीतल,स्वादु ,बलकारक,बस्तिशोधक
- ✅ वृक्क एवं मूत्रपिंड को ठीक करता हैं।
- ✅ अपतर्पणजन्य व्याधी में उपयोगी
- ✅ कष्टार्तव को ठीक करता है।
- ✅ डायबिटीज इन्सिपिडस में उपयोगी
- ✅ संधिवात को ठीक करता हैं।
- ✅ सूजन को दूर करता हैं।
- ✅ लो बी.पी. को ठीक करता है।
- ✅ वजन को बढ़ाता है।
- ✅ वातहर एवं वृष्यकारक औषधि।
- ✅ अनिद्रा व घबराहट को ठीक करता हैं।
- ✅ यूरिया और क्रिएटनीन को कम करता है।
- ✅ गर्भाशय शुद्ध करके वन्ध्यत्व नष्ट करें।
- ✅ यूरीन इन्फेक्शन को दूर करें।

Ashtanghridyam

घटक द्रव्य :- श्व,धमासा,पाषाणभेद,त्रिफला,मुस्ता, पीपली, शुध्द गुग्गुळ इत्यादि।

उपलब्धता : 30 पुड़िया

मात्रा एवम अनुपान

MRP : 250/-

एक पुड़िया सुबह शाम 6 बजे पांच दिन धनिया पानी से फिर सादा जल से।

📲 9991320020, 🤳 6262 290999 ▶️ Vaid gurudarshan

च्यवनप्राश राज

आपके परिवार का सुरक्षा चक्र

अष्टांगहृदयम्
वागभट्ट गीता

▶ Vaid gurudarshan

विशेषता

- ✅ मधुर,अम्ल रस प्रधान
- ✅ पृथ्वी,आप महाभूत प्रधान
- ✅ यह अम्लधर्मी औषधि हैं।
- ✅ अपतर्पणजन्य व्याधी में उपयोगी
- ✅ वातज श्वास व काश में उपयोगी
- ✅ रस-रक्तादि धातुओं की वृद्धि करता है।
- ✅ हृदयरोग,वातरक्त को नष्ट करता है।
- ✅ मूत्राशय,शुक्रशय को ठीक करता हैं।
- ✅ उत्तम रसायन एवं वाजीकरण है।
- ✅ मेधा,स्मृति, कान्ति बढ़ाता हैं।
- ✅ आरोग्य एवं दीर्घायु प्रदान करता हैं।
- ✅ इंद्रियों में शक्ति का संचार करता हैं।
- ✅ रति शक्ति की वृद्धि करें।
- ✅ सूजन व स्वरभेद को ठीक करें।
- ✅ बालक,वृद्ध,दुबले को सुडौल बनाए।
- ✅ पाचन शक्ति की वृद्धि करता हैं।
- ✅ बल एवं वर्ण को बढ़ता हैं।

घटक द्रव्य :- दशमूल,देशी आमला,गौघृत,देशी खांड,मधु,अष्टवर्ग,वंशलोचन,विदारीकन्द,अश्वगंधा, महाशतावरी,माषपर्णी,मुग्धपर्णी,अतिबला,नागकेशर जैसे 45 जड़ी बूटी।

उपलब्धता : 500gm

मात्रा एवं अनुपान

MRP : 800/-

10-20gm तक व्याधि अवस्थानुसार अपानकाल या उदानकाल

📲 99913 20020 ▶ Vaid gurudarshan ▶ Ashtanghridyam

विश्व राज

हाइपर एसिडिटी की रामबाण औषधि

अष्टांगहृदयम्
वागभट्ट गीता

उपयुक्तता

- ✅ मधुर,कषाय,कटु रस प्रधान औषधि
- ✅ पृथ्वी,तेज, वायु महाभूत प्रधान
- ✅ अग्निमांद्य और अतिसार में
- ✅ ग्रहणी रोग का विनाशक
- ✅ यह क्षारधर्मी औषधि हैं।
- ✅ संतर्पणजन्य व्याधी में उपयोगी
- ✅ आमवात में उपयोगी
- ✅ दीपन,पाचन,ग्राही,द्रवत्वशोषक
- ✅ आंतों का कार्य सुधारे
- ✅ वायुगोला में उपयोगी
- ✅ एसिडिटी, खट्टी डकार में लाभ

घटक द्रव्य :- स्वर्ण गेरू, सौंठ

मात्रा एवम अनुपान

एक पुड़िया सुबह शाम खाली पेट गर्म पानी या शहद से से

उपलब्धता : 30 पुड़िया

MRP : 250/-

📲 9991320020 , 7091426093 ▶️ Vaid gurudarshan

चिंचा लवण राज

प्राकृतिक अनुलोमन का सर्वश्रेष्ठ औषधि

अष्टांगहृदयम्
वागभट्ट गीता

उपयुक्तता

- ✅ दीपन,पाचन, विशेष अनुलोमन
- ✅ पाइल्स और फिस्टुला में फायदेमंद
- ✅ उदरशूल और गुदाशूल
- ✅ वातज कब्जियत में फायदेमंद
- ✅ प्राकृतिक अनुलोमन सुबह शाम
- ✅ प्राकृतिक वजन बढ़ता हैं।
- ✅ अरुचि और अग्निमांद्य
- ✅ खून की कमी दूर करें
- ✅ लकवा में भी उपयोगी
- ✅ आतों को सुरक्षा
- ✅ कमजोरी,बेचैनी व अनिंद्रा

घटक द्रव्य :- चिंचा, सेंधानमक, मूंगफली तैल आदि

मात्रा एवम अनुपान

2 से 4 चम्मच सुबह शाम दो चम्मच दाल या सब्जी में मिलाकर।

उपलब्धता : 200 Ml

MRP : 290/-

📲 9991320020,7091426093 ▶️Vaid gurudarshan

महारस राज

ब्लॉकेज को तोड़ने की 100% की गारंटी

अष्टांगहृदयम्
वागभट्ट गीता

उपयुक्तता

- ✅ कटु,तिक्त एवं कषाय रस प्रधान।
- ✅ तेज,वायु,आकाश महाभूत प्रधान।
- ✅ यह क्षारधर्मी औषधि है।
- ✅ विपाक में कटु,गुण में योगवाही
- ✅ संतर्पजन्य व्याधी में उपयोगी
- ✅ नस ब्लॉकेज को खोलता हैं।
- ✅ प्रमेह व पथरी को ठीक करें।
- ✅ डायबिटीज में विशेष उपयोगी।
- ✅ आमवात को ठीक करता हैं।
- ✅ सूजन को दूर करता हैं।
- ✅ हाई बी.पी. को ठीक करता है।
- ✅ वजन को प्राकृतिस्थित है।
- ✅ रसायन व वाजीकरण औषधि।
- ✅ अनिद्रा व घबराहट को ठीक करता हैं।
- ✅ सभी चर्मरोगों को ठीक करें।
- ✅ यूरीन इन्फेक्शन को दूर करें।

▶ Ashtanghridyam

घटक द्रव्य :- नीम गिलोय,त्रिफला,शोधित शिलाजीत इत्यादि।

उपलब्धता : 20gm

मात्रा एवम अनुपान

MRP : 400/-

2-4 बूंद गिलोय काढ़ा या अन्य काढ़े के साथ अपानकाल या व्यानकाल

📲 99913 20020 ▶ Vaid gurudarshan ▶ Ashtanghridyam

मेदोहर राज

🧘 प्राकृतिक वजन बनाए रखे 🧘

उपयुक्तता

- ✅ निरंतर देहभार वृद्धि
- ✅ आलस्य व दौर्बल्य
- ✅ निंद्राधिक्य व क्षुधा वृद्धि
- ✅ उत्साह हानि व अंग-अंग दर्द
- ✅ श्वास भरना और अधिक पसीना आना
- ✅ थायराइड विकृति से उत्पन्न मोटापा
- ✅ मेद संचिति दूर करने में मदद
- ✅ मेद धातवाग्नि वर्धन करे
- ✅ विकृत मेद पाचन में सुधार करे
- ✅ यकृत कार्य सुधारे
- ✅ संचित मेद का पाचन करे

घटक द्रव्य :- विजयसार, कांचनार, शोधित गुग्गुल, त्रिफला, अर्जुन, लालचंदन, सोठ, गिलोय, भुनिंबादि।

मात्रा एवम् अनुपान

20 से 40 ml(4 से 8 चम्मच) दिन में 2 बार ताजा पानी और शहद के साथ।

उपलब्धता: 450 Ml

MRP: 340/-

📲7091426093,9991320020,7979862380

नारी राज संजीवनी

स्त्री रोगों की परीक्षित औषधि

उपयुक्तता

- ✅ दीपन, पाचन, अनुलोमन
- ✅ आलस्य व दौर्बल्य
- ✅ श्वेत प्रदर व रक्त प्रदर
- ✅ उत्साह हानि व अंगों में दर्द
- ✅ पीरियड्स में पीड़ा व अनियमितता
- ✅ हार्मोन असंतुलन व कटिशूल
- ✅ मेद संचिति दूर करने में मदद
- ✅ PCOD & PCOS
- ✅ लिकोरिया व डिसमेनोरिया
- ✅ यकृत कार्य सुधारे
- ✅ खून की कमी दूर करे

घटक द्रव्य : पटोल, अनंतमूल, मुस्ता, पाठा, कटुरोहिणी, दशमूल, शतावरी, सरपुंखा, सीता अशोक, धाय के फूल आदि

मात्रा एवम् अनुपान

20 से 40 ml(4 से 8 चम्मच) दिन में 2 बार गुनगुने पानी में मिलाकर

उपलब्धता: 450 Ml

MRP: 300/-

📲7091426093,9991320020,7979862380

उदर राज अमृत

पेट से जुड़ी समस्त रोगों की परीक्षित औषधि

उपयुक्तता

- ✅ दीपन, पाचन, अनुलोमन
- ✅ आलस्य व दौर्बल्य
- ✅ अरुचि व अग्निमांद्य
- ✅ उत्साह हानि व अंगों में दर्द
- ✅ उदरशूल व मलावष्टंभ
- ✅ भूख व मुख का स्वाद सुधारे
- ✅ अजीर्ण व पेट में भारीपन से राहत
- ✅ हाइपर एसिडिटी व नॉसिया
- ✅ अपचन व उल्टी
- ✅ यकृत कार्य सुधारे
- ✅ खून की कमी दूर करे

घटक द्रव्य : पिप्पली, पिपलामूल, हाउबेर, चित्रकमूल, शतावारी, सरपुंखा, गौतक्र,भूमिआंवला, पुनर्नवा, मकोय।

मात्रा एवम् अनुपान

20 से 40 ml(4 से 8 चम्मच) दिन में 2 बार गुनगुने पानी में मिलाकर, खाली पेट

उपलब्धता: 450 Ml

MRP: 200/-

📲7091426093,9991320020,7979862380

वी. पी. राज रक्षक

ब्लड प्रेशर की परीक्षित औषधि

उपयुक्तता

- ✅ लो तथा हाई ब्लड प्रेशर में उपयोगी
- ✅ आलस्य व दौर्बल्य
- ✅ अरुचि व अग्निमांद्य
- ✅ उत्साह हानि व अंगों में दर्द
- ✅ चिमिचिमि तथा सुप्तता
- ✅ भूख व मुख का स्वाद सुधारे
- ✅ अजीर्ण व पेट में भारीपन से राहत
- ✅ मांसपेशियों को बल दे
- ✅ चक्कर व बेचैनी
- ✅ यकृत कार्य सुधारे
- ✅ प्रोटेक्ट हार्ट अटैक

घटक द्रव्य : शालपर्णी,पृश्निपर्णी, गोक्षूर, बेल, गम्भारी, पाटला, सोनापाठा, अरणी, पुनर्नवा, कंटकारी, अर्जुन, पीपल, नीम।

मात्रा एवम् अनुपान

20 से 40 ml(4 से 8 चम्मच) दिन में 2 बार गुनगुने पानी में मिलाकर, खाली पेट

उपलब्धता: 450 Ml

MRP: 200/-

📲7091426093,9991320020,7979862380

बवासीर नाशक तेल

अर्श के मस्सों को सुखाकर गिरा दे

उपयुक्तता

- ✅बवासीर के मस्सों को सुखा देता है
- ✅सभी प्रकार के अर्श नष्ट होते है
- ✅गुदामार्ग को कोई क्षति नहीं होती
- ✅गुदामार्ग की खुजली दूर करे
- ✅दस दिन लगाने पर रिजल्ट मिलेगा
- ✅इस तेल को दिन में दो बार लगाना
- ✅लगाने से पहले स्वमूत्र से मस्से साफ करे
- ✅इस औषधि के साथ उदर राज अमृत भी लेना है

घटकद्रव्य:हीराकसीस,कुठ,कलिहारी,मैनसिल,अभ्रक,कनेर,सत्यानाशी ,आक व थूहर का दूध,गोमूत्र,सोठ, कड़वी तोरी के बीज, सरसों का तेल आदि

मात्रा एवम् उपयोग

2 से 6 ml दिन में 2 बार रूई में लगाकर मस्से पर रखना है।

उपलब्धता: 50 Ml

MRP: 220/-

📲7091426093,9991320020,7979862380

गौ बाम

सिर दर्द,चोट-मोच की अचूक बाम

अष्टांगहृदयम्

वागभट्ट गीता

- ✅ सिर दर्द
- ✅ चोट- मोच
- ✅ पसलियों की दर्द
- ✅ शीतल एवं सुगंधित
- ✅ घ्राण शक्ति बढ़ाए
- ✅ Chemical free
- ✅ 100%natural
- ✅ विष-नाशक
- ✅ दाह-पित नाशक
- ✅ दुर्गंध नाशक

घटक द्रव्य :- गौघृत, पिपरमेंट,मोम,अमृतधारा,तुलसी,लौंग इत्यादि।

उपलब्धता : 10gm

MRP : 20/-

📲 99913 20020 ▶️ Vaid gurudarshan ▶️ Ashtanghridyam

सप्ताग्नि राज

सप्तधातु की अग्नि को तेज एवं पोषण प्रदान करें

अष्टांगहृदयम्
वागभट्ट गीता

उपयुक्तता

- ✅ मधुर एवं कटु रस प्रधान
- ✅ आप एवं तेज महाभूत प्रधान
- ✅ दीपन एवं पाचन औषधि
- ✅ यह एक समधर्मी औषधि हैं।
- ✅ संतर्पण व अपतर्पण दोनों में लाभ
- ✅ प्राणवायु की विशेष औषधि
- ✅ वृष्य एवं रसायन कल्प
- ✅ काश,श्वास,नजला को ठीक करें
- ✅ जुखाम एवं अस्थमा को ठीक करें।
- ✅ सप्त धातु को शुद्ध एवं पोषित करें
- ✅ वजन को प्रकृतिस्थित करें।
- ✅ मंदाग्नि को ठीक करें।
- ✅ जिव्हा की शून्यता को दूर करता है।
- ✅ पसलियों की दर्द ठीक करें
- ✅ अरुचि एवं प्रमेह में लाभकारी।

▶ Ashtanghridyam

घटक द्रव्य : दारुसिता,एला,पीपली,वंशलोचन,पुराना मिश्री इत्यादि।

उपलब्धता : 30 पुड़िया

मात्रा एवम अनुपान

MRP : 230/-

एक पुड़िया सुबह-शाम प्राण काल में शहद/गौ घृत के साथ

📲 99913 20020 ▶ Vaid gurudarshan ▶ Ashtanghridyam

अस्थिरता राज

अस्थि धातु एवं इसके उपधातु को मजबूत बनानें के लिए

अष्टांगहृदयम्
वागभट्ट गीता

उपयुक्तता

- ✅ मधुर एवं कषाय रस प्रधान
- ✅ पृथ्वी एवं आप महाभूत प्रधान
- ✅ अस्थि क्षय को ठीक करता है।
- ✅ यह एक अम्लधर्मी औषधि हैं।
- ✅ अपतर्पणजन्य व्याधी में उपयोगी
- ✅ टेंडन एवं लिगामेंट्स को मजबूत करें।
- ✅ ऑस्टियोपोरोसिस को रोकता हैं।
- ✅ दांत रोगों को ठीक करता हैं।
- ✅ नाखून को सुंदर और मजबूत करें।
- ✅ केश विकारों को ठीक करें
- ✅ वजन को प्रकृतिस्थित करें।
- ✅ हड्डियों को वज्र जैसा बनाएं।
- ✅ रस रक्तादि धातुओं की वृद्धि करें।
- ✅ आर्थराइटिस को ठीक करें।
- ✅ स्पॉन्डिलाइटिस को ठीक करता हैं।

Ashtanghridyam

घटक द्रव्य : मृगशृंग भस्म,विद्रुमकिट्ट इत्यादि।

उपलब्धता : 30 पुड़िया

मात्रा एवम अनुपान

MRP : 350/-

एक पुड़िया (125 mg) सुबह-शाम खाने के 30 मिनट बाद 2 चम्मच गौ दूध से

📲 99913 20020 ▶️ Vaid gurudarshan ▶️ Ashtanghridyam

महाशतावरी घृतराज

सप्त धातुओं के पोषण का सर्वोत्तम औषधि

उपयुक्तता

अष्टांगहृदयम्
वागभट्ट गीता

- ✅ मधुर रस प्रधान घृतकल्प
- ✅ पृथ्वी एवं आप महाभूत प्रधान
- ✅ दुग्ध,शुक्र,मेद धातुवर्धक
- ✅ यह एक अम्लधर्मी औषधि हैं।
- ✅ अपतर्पणजन्य व्याधी में उपयोगी
- ✅ अपान वायु की विशेष औषधि
- ✅ वाजीकरण एवं रसायन घृतकल्प
- ✅ क्षीण शुक्र रोगियों के लिए हितकर
- ✅ मेद एवं शुक्रधातु की वृद्धि करता हैं।
- ✅ स्निग्धता,गुरूता,स्थिरता प्रदान करें।
- ✅ वजन को प्रकृतिस्थित करें।
- ✅ शुक्र,कांति,ओज,तेज वर्धक
- ✅ बुद्धि,स्मृति,मेधा शक्ति बढ़ाए
- ✅ बृंहणीय एवं जीवनीय कल्प
- ✅ धातुपौष्टिक एवं शरीरपुष्टिक

Ashtanghridyam

घटक द्रव्य : महाशतावरी,जीवक,मेदा,मुनक्का,माषपर्णी,गौघृत,गौदूध इत्यादि।

उपलब्धता : 500 Ml

मात्रा एवम अनुपान

MRP : 2600/-

10 gm से 20 gm तक एक कप गुनगुने दूध के साथ अपानकाल में

📲 99913 20020 ▶️ Vaid gurudarshan ▶️ Ashtanghridyam

स्वर्णप्रभा राज

जठराग्नि को ठीक कर पोषक रस की वृद्धि करें।

अष्टांगहृदयम्
वागभट्ट गीता

Vaid gurudarshan

विशेषता

- ✅ मधुर एवं कषाय रस प्रधान
- ✅ पृथ्वी एवं आप महाभूत प्रधान
- ✅ यह अम्लधर्मी औषधि हैं।
- ✅ अपतर्पणजन्य व्याधी में उपयोगी
- ✅ तीक्ष्ण जठराग्नि को कम करता हैं
- ✅ रस-रक्तादि धातुओं की वृद्धि करता है।
- ✅ पितशामक,स्तम्भक एवं रक्तप्रसादक
- ✅ मूत्राशय,शुक्रशय को ठीक करता हैं।
- ✅ विपाक में मधुर,सौम्य एवं योगवाही
- ✅ धातु क्षय को ठीक करता हैं।
- ✅ भस्मक रोग को ठीक करता हैं।
- ✅ नाजुक स्त्री -पुरुषों में अति उपयोगी
- ✅ पांडु (एनीमिया),पीलिया को ठीक करें।
- ✅ अम्लपित्त एवं रक्तपित्त को ठीक करें।
- ✅ प्रमेह एवं रक्तप्रदर में उपयोगी
- ✅ नेत्रदाह,उरोदाह व शिर:शूल ठीक करें
- ✅ बल्य, वृष्य एवं रसायन कल्प

घटक द्रव्य :- शुद्ध सोनागेरू,स्वर्ण माक्षिक एवं चंद्रप्रभा इत्यादि

उपलब्धता :- 3Gm (30 पुड़िया) | **मात्रा एवं अनुपान** | **MRP : 350/-**

एक पुड़िया सुबह शाम खाने के बाद (व्यानोदानकाल / पित्तकाल) गौदूध से

📲 99913 20020 ▶️ Vaid gurudarshan ▶️ Ashtanghridyam

महाशतावरी घृतराज

सप्त धातुओं के पोषण का सर्वोत्तम औषधि

अष्टांगहृदयम्
वागभट्ट गीता

उपयुक्तता

- ✅ मधुर रस प्रधान घृतकल्प
- ✅ पृथ्वी एवं आप महाभूत प्रधान
- ✅ दुग्ध,शुक्र,मेद धातुवर्धक
- ✅ यह एक अम्लधर्मी औषधि हैं।
- ✅ अपतर्पणजन्य व्याधी में उपयोगी
- ✅ अपान वायु की विशेष औषधि
- ✅ वाजीकरण एवं रसायन घृतकल्प
- ✅ क्षीण शुक्र रोगियों के लिए हितकर
- ✅ मेद एवं शुक्रधातु की वृद्धि करता हैं।
- ✅ स्निग्धता,गुरूता,स्थिरता प्रदान करें।
- ✅ वजन को प्रकृतिस्थित करें।
- ✅ शुक्र,कांति,ओज,तेज वर्धक
- ✅ बुद्धि,स्मृति,मेधा शक्ति बढ़ाए
- ✅ बृंहणीय एवं जीवनीय कल्प
- ✅ धातुपौष्टिक एवं शरीरपुष्टिक

Ashtanghridyam

घटक द्रव्य : महाशतावरी,जीवक,मेदा,मुनक्का,माषपर्णी,गौघृत,गौदूध इत्यादि।

उपलब्धता : 500 Ml

मात्रा एवम अनुपान

MRP : 2600/-

10 gm से 20 gm तक एक कप गुनगुने दूध के साथ अपानकाल में

📲 99913 20020 ▶️ Vaid gurudarshan ▶️ Ashtanghridyam

फलगु राज

फैटी यकृत (लिवर) की अचूक औषधि

अष्टांगहृदयम्
वागभट्ट गीता

उपयुक्तता

- ✅ तिक्त और कषाय रस प्रधान औषधि
- ✅ आकाश और वायु महाभूत प्रधान
- ✅ संतर्पणजन्य व्याधी में उपयोगी
- ✅ यह क्षारधर्मी औषधि हैं।
- ✅ फैटी लिवर को ठीक करता है।
- ✅ यकृत घनता और अग्निमांद्य में
- ✅ गॉल ब्लैडर स्टोन को डिसॉल्व करें
- ✅ लीवर फाइब्रोसिस ठीक करें।
- ✅ शिर:शूल व अल्प आर्तव में लाभ
- ✅ कब्ज से कैंसर तक उपयोगी
- ✅ यकृत कार्य सुधारे।
- ✅ संचित मेद का पाचन करें।
- ✅ फैटीलिवर और सोरायसिस में लाभ

घटक द्रव्य :- आमलकी, हरितकी, गुडुची, बिभितकी, किराततिक्त,कुटकी, निम्ब, वासा, गुग्गुल इत्यादि

उपलब्धता : 30 पुड़िया

मात्रा एवम अनुपान

MRP : 250/-

एक पुड़िया (250mg) सुबह शाम खाली पेट 6 बजे गर्म पानी या शहद से

📲 9991320020 ▶️ Vaid gurudarshan ▶️ Ashtanghridyam

चित्त राज

कमज़ोर लिवर को मजबूत करने की गारंटी

अष्टांगहृदयम्
वागभट्ट गीता

उपयुक्तता

- ✅ तिक्त और मधुर रस प्रधान औषधि
- ✅ पृथ्वी और आकाश महाभूत प्रधान
- ✅ अपतर्पणजन्य व्याधी में उपयोगी
- ✅ यह अम्लधर्मी औषधि हैं।
- ✅ लिवर को मजबूत करता है।
- ✅ भस्मक रोग को ठीक करने में सहायक
- ✅ शीतवीर्य एवं हृद्य।
- ✅ लीवर भारी और बड़ा करें।
- ✅ शिरःशूल को नष्ट करें।
- ✅ अनिंद्रा में अति उपयोगी।
- ✅ यकृत कार्य सुधारे।
- ✅ मेधाजनक और कांतिकारक
- ✅ संज्ञास्थापन,त्रिदोषघन एवं केश्य

घटक द्रव्य :-जटिला

उपलब्धता : 30 जड़ी

मात्रा एवम अनुपान

MRP : 350/-

1 जड़ी सुबह 6 बजे और 1 जड़ी रात्रि सोते समय गर्म पानी में फांट विधि से।
नोट :- इस औषधि को बनाने के लिए केवल कांच के ग्लास का ही उपयोग करें।

📲 9991320020 ▶️ Vaid gurudarshan ▶️ Ashtanghridyam

रंजक राज

स्प्लेनोमेगाली को ठीक करने वाला एकमात्र कल्प

अष्टांगहृदयम्
वागभट्ट गीता

उपयुक्तता

- ✅ तिक्त और कटु रस प्रधान औषधि
- ✅ तेज,वायु,आकाश महाभूत प्रधान
- ✅ संतर्पणजन्य व्याधी में उपयोगी
- ✅ यह क्षारधर्मी औषधि हैं।
- ✅ रक्त और स्प्लीन को साफ करें।
- ✅ स्प्लेनोमेगाली को ठीक करता हैं।
- ✅ रक्त को गर्म करता है।
- ✅ अग्निमांद्य को ठीक करता हैं
- ✅ मोटापा में अति उपयोगी
- ✅ प्लीहा का कार्य सुधारे।
- ✅ अवरोधजन्य वातव्याधि में उपयोगी।
- ✅ रक्त और प्लीहा पर विशेष कार्य
- ✅ प्लीहागत विकृत पृथ्वी को ठीक करें
- ✅ कफज ज्वर एवं निमोनिया में उपयोगी

घटक द्रव्य :- विडंग,चित्रक,शुंठी,घी,सैंधव,वचा,दुग्ध इत्यादि।

उपलब्धता : 30 पुड़िया | **मात्रा एवम अनुपान** | **MRP : 300/-**

सुबह 10 बजे और दोपहर 2 बजे एक पुड़िया (50mg) शहद के साथ

📲 9991320020 ▶️ Vaid gurudarshan ▶️ Ashtanghridyam

रजनी राज

खून और स्प्लीन की गर्मी को शांत करें।

अष्टांगहृदयम्
वागभट्ट गीता

उपयुक्तता

- ✅ तिक्त और मधुर रस प्रधान औषधि
- ✅ पृथ्वी और आप महाभूत प्रधान
- ✅ अपतर्पणजन्य व्याधी में उपयोगी
- ✅ यह अम्लधर्मी औषधि हैं।
- ✅ लिवर और स्प्लीन को मजबूत करें।
- ✅ भस्मक रोग को ठीक करें।
- ✅ खून की गर्मी निकाले।
- ✅ विषम ज्वर में विशेष उपयोगी।
- ✅ शिर:शूल को नष्ट करें।
- ✅ अनिंद्रा में अति उपयोगी।
- ✅ प्लीहा कार्य सुधारे।
- ✅ तीव्र ज्वर में अति उपयोगी।
- ✅ रक्त धातु पर विशेष कार्य
- ✅ पीलिया को ठीक करता है।

घटक द्रव्य :- रजनी और स्वर्णगैरिक आदि।

उपलब्धता : 30 पुड़िया

मात्रा एवम अनुपान

MRP : 250/-

सुबह 10 बजे और दोपहर 2 बजे 1पुड़िया नॉर्मल पानी या हल्दी हिम से

📲 9991320020 ▶️ Vaid gurudarshan ▶️ Ashtanghridyam

सुख राज

मूत्र कृच्छ (Dysuria) को ठीक करने वाला कल्प

उपयुक्तता

अष्टांगहृदयम्
वागभट्ट गीता

- ✅कषाय एवं मधुर रस प्रधान औषधि
- ✅तेज,वायु,आकाश महाभूत प्रधान
- ✅संतर्पणजन्य व्याधी में उपयोगी
- ✅यह क्षारधर्मी औषधि हैं।
- ✅दर्दनाक पेशाब को ठीक करता हैं।
- ✅यह एक मूत्रल कल्प है।
- ✅पथरी का भी भेदन करता है।
- ✅मोटापा में अति उपयोगी
- ✅किडनी का कार्य सुधारे।
- ✅अवरोधजन्य वातव्याधि में उपयोगी।
- ✅बॉडी को डिटॉक्स करता है।
- ✅वृक्कगत विकृत पृथ्वी को ठीक करें
- ✅क्लेद को बाहर निकालता है।
- ✅समान वायु पर विशेष कार्य है।
- ✅आम पचन एवं अग्निसंधुक्षण करता है

घटक द्रव्य :- सुखाली (Celosia Argentea) - शीतिवारक

उपलब्धता : 30 पुड़िया | **मात्रा एवम अनुपान** | **MRP : 250/-**

200mg - सुबह शाम 6 बजे, 10बजे, 2बजे धना जल या सादा जल के साथ

📲 9991320020 ▶️Vaid gurudarshan ▶️ Ashtanghridyam

अष्टांगहृदयम्

वागभट्ट गीता

ॐ ॐ चिकित्सा वही जो ऋषियों ने तय की 🙏 🙏

हमारा पंचमुखी चिकित्सा क्या है?

पंचगव्य	पंचकर्म	पांचभौतिक	पंचधान्य	पंचचर्या
1 दूध	1 स्नेहन	1 आकाश	1 समा	1 दिनचर्या
2 दही	2 स्वेदन	2 वायु	2 कोदो	2 रात्रिचर्या
3 घी	3 वमन	3 तेज	3 कंगनी	3 ऋतुचर्या
4 गोबर	4 विरेचन	4 आप	4 कुटकी	4 जीवनचर्या
5 गोमूत्र	5 वस्ती	5 पृथ्वी	5 कोराले	5 परिचर्या

मेरी आपसे विनम्र प्रार्थना है कि,
मरीजों को आप सिर्फ चिकित्सा न दे मरीजों को थोड़ी शिक्षा भी दे दीजिए, उनकों एजुकेट भी कर दीजिए।

मुझे भारत में कई बार ऐसा लगता है कि भारत के मरीजों को चिकित्सा सेवाओं की जितनी जरूरत है उससे कई गुणा ज्यादा हेल्थ एजुकेशन की जरूरत है।

हेल्थ फेसिलिटी के नाम पर इस देश में बहुत सारे डॉक्टर, दवाई और हॉस्पिटल है लेकिन हेल्थ एजुकेशन के नाम पर इस देश में कुछ भी नहीं है।

श्री राजीव भाई दीक्षित